

अट्टपतिभागाव्यगृहकृत्य (अट्ट, पति, भाग, आख्या, गृह, कृत्य) N. eines Zollhauses in Kāṣmīra RĀGA-TAR. 5, 166.

अट्टस्थली (2. अट्ट + स्थली) f. gaṇa धूमादि.

अट्टकृतित (1. अट्ट + कृतित) n. heftiges Lachen: कालाट्टकृतित RĀGA-TAR. 2, 19.

अट्टकास (1. अट्ट + कास) m. 1) lautes Lachen H. 297. देवी ननादेच्चैः साट्टकासम् DEV. 2, 31. व्यम्बकस्याट्टकासः MEGH. 39. — 2) ein Beiname Ćiva's TRIK. 1, 1, 44; vgl. अट्टकासिन्.

अट्टकासक (von अट्टकास) m. N. einer Pflanze, *Jasminum hirsutum*, Lin. (कुन्दपुष्पवृत्त), RĀGA. im ÇKDR.

अट्टकासिन् (von अट्टकास) m. ein Beiname Ćiva's H. 197.

अट्टकास्य (1. अट्ट + कास्य) n. lautes Lachen KATH. 12, 51.

अट्टा nom. act. (?) von अट्ट P. 3, 1, 17, VArtt. 1.

अट्टाट्टकास (1. अट्ट verdoppelt + कास) m. lautes Lachen DEV. 9, 21. — Vgl. अट्टकास.

अट्टाय, अट्टायते denom. von अट्ट P. 3, 1, 17, VArtt. 1.

अट्टाल m. = 2. अट्ट, 1. उच्छाट्टालधनवती पुरीम् R. 1, 3, 17. भड्यमान-पुरोयानप्राकाराट्टालगोपुरम् Bṛh. P. im ÇKDR. RĀGA-TAR. 1, 274. 301. — Vgl. अट्टालक.

अट्टालक m. = 2. अट्ट, 1. a. H. 981. Valg. beim Schol. zu Ćiç. 12, 65. गोपुराट्टालकवती कर्ण्यप्राकारशोभनाम् — नगरीम् MBh. 3, 13707. पुरम् — गोपुराट्टालकोपेतम् 12199 (= Arg. 10, 3, wo fälschlich गोपुराट्टालको ge-druckt ist). अट्टालकेषु च — धनाः समुच्छिताः R. 2, 6, 11. अट्टालकशताकीर्णम् (लङ्काम्) 5, 9, 17. राजसाः प्राकाराट्टालकास्थिताः 6, 16, 54. कोट्टाट्टालकवेष्टनम् RĀGA-TAR. 8, 2644.

अट्टालिका (von अट्टाल) 1) f. ein königlicher Palast ĆATĀDH. im ÇKDR. — 2) N. einer Gegend: अट्टालिकादिभ्यो देशेभ्यः RĀGA-TAR. 8, 1947.

अट्टालिकाकार (अट्टालिका + कार) m. Palastbauer, Maurer; wird als der Sohn eines Malers und einer unzuchtigen Çūdra-Frau angesehen: कुलटायां च ब्रूयायां चित्रकारस्य वीर्यतः । बभूवाट्टालिकाकारः पतितो जारदायतः ॥ BRAHMAV. P. im ÇKDR.

अट्टालिकाबन्ध (अट्टालिका + बन्ध) m. eine besondere Art Knoten: अट्टालिकाबन्धं बद्धः P. 3, 4, 42, Sch.

अट्टालिका f. N. einer Stadt RĀGA-TAR. 8, 583.

अट्टारि m. N. pr. Vater Para's, eines Königs von Koçala, ÇAT. Br. 13, 3, 4. Ind. St. I, 32. 182.

अट्टा (von अट्ट) f. das Herumschweifen H. 1301, Sch. gehört zu den 10 Vergehen, die aus Vergnügungslust hervorgehen, M. 7, 47.

अट्ट, अट्टति, अट्टते gehen Dhātup. 8, 8, v. l. — Vgl. अट्ट, अट्टा.

अट्टिष्ठा f. Name eines Metrums COLEBR. Misc. Ess. II, 136, No. 16.

1. अट्ट, अट्टति sich anstrengen (उद्यमे) Dhātup. 9, 75.

2. अट्ट, अट्टति ved. durchdringen, Dhātup. 27, 25, v. l. für अट्ट.

अट्टकवती f. N. pr. ein fabelhafter Palast auf dem Meru; eine Stadt in Indien; Lhasa, Lalit. 193.

अट्ट, अट्टति अभियोगे Dhātup. 9, 64. समताव्योगे GOVINDABH. समाधाने DURGAD. अट्ट अभियोगे । अट्टते ऽनेन अट्टनम् H. 783, Sch.

अट्टन n. Schild H. 783. — Vgl. अट्ट, अट्टकल, अट्टन.

1. अण्, अणति tōnen Dhātup. 13, 1.

2. अण्, अणयते athmen Dhātup. 26, 66. — Vgl. अण्.

अणक gaṇa उत्करादि; adj. klein, gering, verachtet AK. 3, 2, 4. H. 1442. am Anf. eines comp. als Ausdruck der Geringschätzung P. 2, 1, 54. — Vgl. अणिमन्, अणु, अणक, अणक.

अणकीय adj. von अणक gaṇa उत्करादि.

अणव्य (von अणु) n. ein mit Panicum miliaceum bewachsenes Feld P. 5, 2, 4. AK. 2, 9, 7. H. 966.

अणाल N. einer Stadt Lalit. 380.

अणि m. f. 1) Achsennagel AK. 2, 8, 24. TRIK. 3, 3, 120. H. 736. an. 2, 132. MED. n. 2. — 2) Ecke eines Hauses TRIK. H. 1013. an. 2, 132. MED. ÇKDR. umschreibt अग्रि, wodurch TRIK. H. an. und MED. अणि erklären, mit सूच्याव्ययभाग Spitze einer Nadel u. s. w. H. 1013. ist offenbar von einem zum Hause gehörigen Dinge die Rede. — 3) Grenze TRIK. H. an. MED. — Vgl. अणि und अणु.

1. अणिमन् (von अणु) m. gaṇa पृथ्वादि. 1) Dünne, Feinheit: अरम्भणतो वै वज्रस्याणिमाद्यो दण्डस्याद्यो पर्शोः AIT. Br. 2, 35. यथा केशः सकृन्नधा भिन्नस्तावताणिमा Bṛh. Ār. Up. 4, 3, 20. — 2) Magerkeit: स यत्रायमणिमानं न्येति जरया वोपतयता वाणिमानं निगच्छति 4, 3, 36. ग्राम्याः पशवो ये चारण्या अणिमानमेव तत्पुरुषिमाणं नियति AIT. Br. 4, 26. — 3) die feinen Bestandtheile eines Dinges: दध्नः सोम्य मध्यमानस्य यो ऽणिमा स ऊर्ध्वः समुदीपति तत्सर्पिर्वति Kṛh. Up. 6, 6, 1. — 4) die Kunst sich unendlich klein zu machen, eine der 8 Kräfte Ćiva's, AK. 1, 1, 31. H. 202. VET. 3, 18.

अणिमन् (von अणु) n. das kleinste Stück: गुदं त्रेधा करोति स्वचिम — मध्यम् — अणिम ÇAT. Br. 3, 8, 3, 18.

अणिष्ठ (superl. von अणु) der feinste: अन्नमशितं त्रेधा विधीयते तस्य यः स्वविष्ठो धातुस्तत्पुरीष्णं भवति यो मध्यमस्तन्मांसं यो ऽणिष्ठस्तन्मनः Kṛh. Up. 6, 5, 1. der kleinste: अणिष्ठ बलपदानां (रुचोः) भारद्वाजी पुत्र-तमम् (RV. 6, 43, 29.) RV. Prāt. 17, 29. sehr fein, sehr klein (Gegens. स्थ-विष्ठ): तण्डुलाः KĀT. Çr. 15, 3, 30. 25, 4, 40.

अणी f. = अणि die Commentatoren zu AK. 2, 8, 24.

अणीमाएउव्य (अणी + माएउव्य) m. N. pr. eines Rshi MBh. 1, 2422. 4329. 2, 107; vgl. Ind. St. II, 103.

अणीयम् (compar. von अणु) feiner, kleiner: एष म अत्मात्तर्हृदये ऽणी-यान्त्रिकेर्वी यवाद्वा Kṛh. Up. 3, 14, 3. अणीयानणुप्रमाणात् KATHOP. 2, 8. अणोरणीयान्मरुतो महीयान् 20. ÇVETĀÇY. Up. 3, 20. यस्मान्नाणियो न ज्या-यो ऽस्ति किञ्चित् 3, 9. अणोरणीयसमनुस्मरेयः BHAG. 8, 9. M. 12, 122. sehr fein, sehr klein AK. 3, 2, 12. 4, 423. H. 1428. देहा तण्डुलान्कुर्वन्ति ये ऽणी-यांसः — ये स्थवीयांसः ÇAT. Br. 5, 3, 2, 7. अणीय इव च स्थवीय इव च AIT. Br. 1, 21.

अणीयस = अणीयम् MAHĀNĀR. Up. in Ind. St. II, 80, N. 3.

अणीयस्क (von अणीयम्) adj. dünner, kleiner: बालादिकमणीयस्कमुत्तैकं नैव दृश्यते AV. 10, 8, 25.

अणीयस्त्व n. nom. abstr. von अणीयम् Nir. 1, 2.

अणीव gaṇa पृथ्वादि.

अणु 1) adj. f. अण्वी fein, dünn, schmal, sehr klein (Gegens. स्थूल, मरुत्) AK. 3, 2, 11. TRIK. 3, 1, 25. 3, 3, 120. H. an. 2, 133. MED. n. 2. Nir. 6, 22. अस्थूलमणु Bṛh. Ār. Up. 3, 8, 8. अणव्य इवेमा धानाः Kṛh. Up. 6, 12,